

राज्यपाल ने कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली 21 स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

लखनऊ : 6 नवम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन में कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सेवी संस्थाओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि लाक डाउन शुरू होने के पश्चात प्रदेश व देश में अभूतपूर्व संकट का सामना आम जनता व प्रवासी श्रमिकों को करना पड़ा और ऐसी विकट परिस्थिति में राज्य सरकार व गैर सरकारी संस्थाओं ने मिलकर उनके भोजन, ठहरने व गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में परिवहन की व्यवस्था करके उन्हें हर तरह से मदद पहुंचायी, उसके लिए लखनऊ के जिलाधिकारी व यहां की स्वयं सेवी संस्थाएं बधाई की पात्र हैं। ऐसी संस्थाओं का सम्मान करना हमारे लिए भी गौरव की बात है।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन ने भी राजभवन के आस-पास तैनात सुरक्षाकर्मियों के लिए चाय, नाश्ता व भोजन का प्रबन्ध कराया। केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा समय रहते सुरक्षात्मक एवं आवश्यक कदम उठाने से प्रदेश में कोरोना से हुई मृत्यु दर देश में सबसे कम है, जो यह दर्शाता है कि हमारे निजी अस्पतालों, चिकित्सकों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ ने 8-8 घंटे पीपी0ई0 किट पहने, बिना कुछ खाये पिये मरीजों की जो देखभाल व सेवा की, यह उसी का परिणाम है कि प्रदेश में मृत्यु दर सबसे कम है। उन्होंने कहा कि लाक डाउन ने आपदा को अवसर में बदलने का मौका दिया और भारत पीपी0ई0 किट और मास्क बनाने में आत्मनिर्भर बना और दुनिया के अनेक देशों में यहां से दवा भेजने का भी मौका मिला। यह संस्कृति और संस्कार भारत में है और यहां के लोगों में भी है कि वे संकट में फंसे पड़ोसी की मदद करें।

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 तक टी0बी0 रोग से मुक्त भारत की बात की है तथा इसी क्रम में हमें उत्तर प्रदेश को भी 2025 तक

टी0बी0 मुक्त प्रदेश बनाना है। इस कड़ी में आज 21 स्वयं सेवी संस्थाओं ने लखनऊ के क्षय रोग ग्रस्त बच्चों को गोद लेने का पुनीत एवं सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गोद लिए गए ये बच्चे यथाशीघ्र स्वस्थ होकर एक स्वस्थ जीवन जी सकेंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली 21 स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इससे पहले जिलाधिकारी लखनऊ श्री अभिषेक प्रकाश ने कहा कि पूरे जिले में 1660 बच्चे क्षय रोग ग्रस्त चिन्हित किए गये हैं और जिन स्वयं सेवी संस्थाओं ने लाक डाउन के दौरान जिले में जरूरतमंदों एवं प्रवासी श्रमिकों को भोजन आदि के प्रबंधन में उल्लेखनीय योगदान दिया, उन्हीं संस्थाओं ने टी0बी0 ग्रस्त बच्चों को भी गोद लेने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि गत 30 मई को लखनऊ के बाहर के 2.82 लाख लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था कराने में दिन रात मेहनत कर इन संस्थाओं ने जिला प्रशासन की हर सम्भव सहायता की।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ श्री संजय भटनागर एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के संचालक भी उपस्थित थे।

ओ0पी0राय / राजमवन (67 / 3)



